



हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बोली, सीतापुर, सोनभद्र, गोप्ता, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद,
बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

पीठ के निचले हिस्से
में दर्द होने ...8



गुरुवार, 02 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण

www.budhakasandesh.com

वर्ष: 08 अंक: 257 पृष्ठ 8 आमत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड—SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड—133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अमित शाह दो सितंबर को
कर्नाटक का दौरा करेंगे

बैंगलुरु। केंद्रीय गृह मंत्री



अमित शाह बृहस्पतिवार को कर्नाटक का दौरा करेंगे और इस दौरान वह राज्य के दावणगरे और हुबली में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोपहर में हुबली हवाई अड्डा पहुंचने के बाद वह मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्हई के साथ हेलिकॉप्टर से दावणगरे में जिला मुख्यालय जाएंगे। दावणगरे में वह 'गांधी भवन' का उद्घाटन करेंगे और कोडाज्जी बासपा संग्रहालय जाएंगे तथा वहां श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। बाद में वह दावणगरे जिले के हरिहर तालुक के कोडाज्जी में एक पुलिस पल्लिक स्कूल और दावणगरे में जीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बाहर आठ केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह हुबली लोटेंगे, जहां वह केंद्रीय कोयला, खान और ससानीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी की सबसे बड़ी बेटी राणी अर्पिता व के एस ऋषिकेश के विवाह समारोह में शिरकत करेंगे।

अभिनेत्री पाटल

रोहतगी के खिलाफ
पुणे में प्राथमिकी
दर्ज, नेहरू-गांधीपरिवार पर बनाया था
मानवानिकारक वीडियोपुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर में साइबर पुलिस ने बॉलीबुड अभिनेत्री पाटल रोहतगी के खिलाफ नेहरू-गांधी परिवार के खिलाफ एक मानवानिकारक वीडियो बनाने और इसे सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने कहा कि कैरेस की एक खानीय नेता की शिकायत के बाद अपराध दंड संहिता की धारा 153, 500 और 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया। शिकायत के अनुसार, अभिनेत्री ने एक अज्ञात व्यक्ति के साथ कथित तौर पर महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और गांधी परिवार के अन्य सदस्यों के बारे में एक मानवानिकारक वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर साझा किया। अधिकारी ने बताया कि कैरेस नेता एवं पार्टी की पुणे इकाई की पालविकारी संगीत तिवारी ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस में रोहतगी के खिलाफ शिकायत की।

महामारी के दौरान पहली बार खोले गए पहली से पांचवीं कक्षा के लिए स्कूल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोविड-19 प्रोटोकॉल का कड़ाई कक्षा एक से पांच तक के स्कूल से पालन करते हुए पहली बार खोला गया है। मुख्यमंत्री योगी लागू लॉकडाउन के बाद बुद्ध वार को पहली बार खोले गए। पर बच्चों को बधाई देते हुए प्रदेश में कक्षा नी से 12 तक के स्कूल पिछली 16 अगस्त से जबकि कक्षा छह से आठ तक के स्कूल पिछली 24 अगस्त से खोले जा चुके हैं। कक्षा 1 से 5 तक के स्कूल पिछले साल कोविड-19 महामारी शुरू होने के कारण बंद किए गए। उन्होंने यह भी कहा, गुरुजनों से विनम्र आग्रह है थे। उसके बाद से आज इन्हें

हर हाल में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराने में उसे स्कूल खुलने की बहुत अभिभावकों ने इसके लिए खुशी है और लंबे समय बाद सहमति दी है। उन्होंने बताया अब वह अपने दोस्तों से मिल कि कुछ कक्षाओं में 50 विद्यार्थी जरूर, लेकिन उनमें बच्चों की संख्या ज्ञानांकिता का एक असांक्षिक बच्चों के स्कूल खेलने पर कुछ स्कूलों ने परिसर में उन्होंने कहा कि अगर सक्रमण दाखिल होने वाले गेट पर के मामले बढ़े तो वह बच्चे को सजावट की और बच्चों को टॉफी इत्यादि वितरित की, बच्चों को प्रवेश देने से पहले उनके हाथों को सैनिटाइज भी किया गया। एक निजी स्कूल में कक्षा 3 के छात्र हर्ष ने कहा

स्कूल दो पालियों में खोले गए हैं। पहली पाली सुबह आठ बजे से जबकि दूसरी पाली कोलेज के एक शिक्षक ने पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे से शुरू बताया कि स्कूल में सिर्फ उन्हीं की गई। कक्षा में 50: बच्चों को बुलाया जा रहा है को ही आने की इजाजत दी जिनके माता-पिता या गई है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की तेरहवीं कार्यक्रम में दी गई श्रद्धांजलि

अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश कलराज मिश्र और विश्व हिंदू परिषद गया। कार्यक्रम स्थल से लेकर हवाई पट्टी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय महिला एवं

तक पर करीब 2000 पुलिस बाल विकास मंत्री स्वृति ईरानी, मुख्यमंत्री तथा पीएसी कर्मियों को तैनात योगी अदित्यनाथ समेत बड़ी संख्या में किया गया। राजस्थान के लोग उपस्थिति थे। कल्याण सिंह छह विसंबर राज्यपाल रह चुके राम मंदिर 1992 को अयोध्या में कारसेवकों द्वारा आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल प्रदेश के पूर्व प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उन्हें तथा 31 अन्य मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का अभियुक्तों को पिछले साल सिंबंद वार में लखनऊ की एक विशेष लखनऊ स्थित संजय गांधी अदालत ने बरी कर दिया था। लोध परासनातक आयुर्विज्ञान मतदाताओं में खासा प्रभाव रखने वाले स्थान में निधन हो गया कल्याण सिंह 1990 के दशक में भाजपा का था। उन्हें गत 4 जुलाई उत्तर प्रदेश की सत्ता में लाने वाले प्रमुख को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। नेताओं में शामिल थे। उनके बेटे राजवीर उनका अंतिम संस्कार 23 अगस्त को सिंह एटा से संसद हैं जबकि उनके पुत्र बुलंशहर के नरोरा में किया गया था। संदीप सिंह प्रदेश के वित तकनीकी कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह ने उनकी शिक्षा तथा विकित्सा शिक्षा विभाग के चिता को मुख्यमंत्री थी। इस मौके पर राज्यमंत्री हैं।

जम्मू में एक दर्जन से अधिक जेकेएपी कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

जम्मू। जम्मू और श्रीनगर के बीच रैली निकालने की कोशिश की। उपराज्यपाल तथा सचिवालय को स्थानांतरित करने की पुरानी प्रथा दरबार स्थानांतरण को फिर से शुरू करने को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। अपनी ड्रेड यूनियन के अध्यक्ष एजाज काजमी के नेतृत्व में जेकेएपी के सैकड़ों कार्यकर्ता यहां प्रेस क्लब के पास जाए और दरबार स्थानांतरण को करेंगे। जम्मू और श्रीनगर के बीच रैली निकालने की कोशिश की। उपराज्यपाल तथा सचिवालय को स्थानांतरित करने की पुरानी प्रथा दरबार स्थानांतरण को करेंगे। जम्मू और श्रीनगर दरबार स्थानांतरण की प्रथा समाप्त हो गई है। सिन्धा ने कहा था, "अब जम्मू और श्रीनगर दोनों सचिवालय समाचार रूप से 12 महीने काम कर सकते हैं। इससे उन्होंने बोरोजगार शिक्षित युवाओं के सरकार को प्रति वर्ष 200 करोड़ रुपये की बोरोजगार पैकेज की भी मांग की।

बचत होगी, जिसका उपयोग वंचित वर्गों के कल्याण के लिए किया जाएगा।" हालांकि, जम्मू में व्यापरियों और द्रांसपोर्टरों सहित विभिन्न हितधारकों ने इस फैसले के खिलाफ खुले तौर पर अपनी नाराजी जाहिर की कि 1872 में महाराजा गुलाब सिंह द्वारा शुरू की गई इस प्रथा से दो क्षेत्रों के लोगों के बीच संबंध विकसित होने के अलावा जम्मू को आर्थिक रूप से बड़ा बढ़ावा मिलता है। जम्मू में सर्दी बिताने के लिए कर्शमीर के हजारों परिवार बाल विकास की सत्ता में लाने वाले प्रमुख को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। नेताओं में शामिल थे। उनके बेटे राजवीर उनका अंतिम संस्कार 23 अगस्त को सिंह एटा से संसद हैं जबकि उनके पुत्र बुलंशहर के नरोरा में किया गया था। संदीप सिंह प्रदेश के वित तकनीकी कल्याण सिंह के लिए कर्शमीर के लोगों के बीच संघर्ष किया गया था। उन्होंने बोरोजगार शिक्षित युवाओं के सरकार को प्रति वर्ष 200 करोड़ रुपये की बोरोजगार पैकेज की भी मांग की।

दरबार के साथ आते थे। काजमी ने कहा कि दरबार स्थानांतरण की सदियों पुरानी

प्रभुपाद स्वामी की 125वीं जयंती पर एम्प्रीमोटो बोले— वो महान भक्त थे नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रील ऐसे महान देशभक्त का 125वां जन्मदिन ऐसे समय में हो रहा है, जब देश अपनी अपनी आजादी के 75 साल का पर्व अमृत महोत्सव मना रहा है।

इस मंत्र में वैश्विक कल्याण की भावना पैदा होती है। इस मंत्री ने कहा कि अमृत महोत्सव में भारत ने एक साथ नियमित विद्यालयों को खुलने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सिंबंद वर तक विद्यालयों में सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्र कर्मियों को टीकाकरण के रोपैंप का भी जायजा लिया। "मंत्रालय ने कहा कि केंद्र देशभक्त विद्यालयों में सिर्फ उन

सम्पादकीय

उन भारतीयों को हमसे
अभी तक गिला है, जो
वाजिब भी है। क्या हम सात
समंदर पार बस गए भारतीयों
से सिफर्ह यही उम्मीद रखें
कि वे भारत में निवेश करें?
हम उन्हें बदले में कुछ न दें।
यह तो कभी भी नहीं हो
सकता। हम अपने
नागरिकों के हक्कों के लिए
किसी देश पर आक्रमण...

भारत सन 1972 और सन 2021 के बीच वास्तव में बहुत बदल चुका है। इस लगभग आधी सदी के अंतराल में भारत की विदेश नीति में एकशन को खास महत्व मिलने लगा है। अब राजधानी के साउथ ब्लाक से चलने वाले विदेश मंत्रालय से सिर्फ बातें नहीं होतीं। अब बयानबाजी के लिए जगह ही नहीं बची है। अब भारत उन भारतीयों की सुरक्षा के लिए अपने सारे संसाधन झोंक देता है, जो किसी देश में गृहयुद्ध या किसी अन्य कारण के चलते फँस जाते हैं। यह सारा देश अफगानिस्तान संकट काल में देख रहा है। संभव है कि देश की युवा पीढ़ी को पता न हो कि सन 1972 में अफ्रीकी देश युगांडा में नरभक्षी शासक ईदी अमीन ने अपने देश में रहने वाले लाखों भारतीयों को मुगलिया आदेश दिया था कि वे सभी 90 दिनों में देश को छोड़ दें। हालांकि वे भारतीय ही देश की अर्थव्यवस्था की जान थे। पर सनकी अमीन कुछ भी कर देते थे। खैर, उनके फैसले से वहां पर दशकों से रहने वाले भारतवंशियों के सामने बड़ी भरी संकट खड़ा हो गया कि वे जायें तो कहां जाएं। तब भारत ने नहीं, बल्कि ब्रिटेन ने उन भारतीयों को अपने यहां शरण दी थी। तब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने युगांडा सरकार के फैसले की मीडिया में निंदा करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया था। हालांकि कहने को तो भारत तब भी गुट निरपेक्ष आंदोलन का नेता था। पर सन 2021 का भारत अब बिलकुल अलग है। अब भारत मैदान में उतरता है। संकट का डटकर मुकाबला करता है। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर ख्वादेश आ रहे हैं। इन विमानों में भारतीय नागरिकों के साथ कुछ अफगानी और नेपाली भी सवार होते हैं। काबूल में जिस तरह के हालात बने हुए हैं उसमें हमारे विमानों का भारतीयों को

भारत, ईर्द्वी अमीन और अफगान संकट

लेकर आना कोई छोटी बात मत मानिए। इनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा है। कुछ विमान कतर के रास्ते भारत आ रहे हैं। भारत अब तक अपने हजारों नागरिकों को अराजकता में पूरी तरह ढूँढ़ते जा रहे अफगानिस्तान से निकाल चुका है। दरअसल भारत अपने दूतावास के अधिकारियों कर्मचारियों समेत आईटीबीपी के जवानों को भी काबुल से सुरक्षित लाने के बाद अफगानिस्तान में काम करने वाले सभी भारतीयों को सुरक्षित देश में वापस ला रहा है। भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के तकरीबन 23 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट अब बुरी तरह फंस गए हैं। इनमें हजारों भारतीय जुड़े हुए थे। इन्हीं भारतीयों को निकाला जा रहा है। भारत की तरफ से अफगानिस्तान बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था। दरअसल, भारत वहां से भारतीयों को निकालने की तैयारी काफी पहले से कर रहा था क्योंकि अफगानिस्तान के हालात तो लगातार खराब हो गी रहे थे। भारत को समझ आ रहा था कि वहां से भारतीयों को देर-सेवर तो निकालना ही होगा। क्या अफगानिस्तान के हालातों की तुलना युगांडा से की जा सकती है? युगांडा में तो तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने वहां फंसे भारतीयों को राम भरोसे छोड़ दिया था। पर अब हमारी सरकार भारतीयों के साथ पूरी तरह से खड़ी है। भारतीय युगांडा में लुटते-पिटते रहे थे, लेकिन हमने घड़ियाली आंसू बहाने के सिवा कछ नहीं किया था।

सकारात्मक संवल से स्वर्णिम सफलता

डेल कारनेगी अपनी पुस्तक हाउ टू विन फ्रैंड्स एंड इनफलुएंस पीपलर में कहते हैं कि दूसरों को बेहतरीन छवि दें, जिसके अनुरूप वे जी सकें। नीरज चोपड़ा अपने इस स्वर्ण पदक को शपिंगेलियन प्रभावर का चमत्कार ही मानते हैं। इस बार नीरज चोपड़ा के कोच के साथ ही उसके इर्द गिर्द के सभी लोगों को पूरा विश्वास था कि नीरज चोपड़ा ओलंपिक में पदक प्राप्त करके आएंगे। वह लगातार हर...

रेनू सैनी

हम सभी इस समय नयी उम्मीदों के सातवें आसमान पर हैं। ओलंपिक में पहली बार भारत ने विभिन्न खेलों में पदक प्राप्त किए हैं। यह ओलंपिक भारत के लिए कई मायनों में अभी तक का सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक माना जा रहा है। भारत की झोली में इस बार सात पदक आए हैं। इनमें नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक ने सोने—सी चमक पूरे देश में फैला दी है। कई वर्षों की तपस्या और निरंतर अभ्यास का परिणाम होता है ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना। नाम पर रखा गया है। ज्ञात हो कि पिग्मेलियन एक कुशल मूर्तिकार था। उसने एक आदर्श महिला की ऐसी मूर्ति बनाई जो बिल्कुल जीवंत प्रतीत होती थी। उस मूर्ति को देखते—देखते वह उसका दीवाना हो गया। उसे सचमुच ऐसा प्रतीत होने लगा कि वह मूर्ति सजीव हो उठी है और उससे बात कर रही है। लोग उसे पागल कहकर संबोधित करने लगे। एक दिन पिग्मेलियन ने प्रेम की देवी एफ्रोडाइट से सच्चे हृदय से प्रार्थना

आखिर हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कब, कैसे और कहां करते हैं? क्या कभी हमने इस बारे में जानने की कोशिश की है। जीवन में हम सभी का यही प्रयत्न रहता है कि हर कार्य में अपना सर्वश्रेष्ठ दें। हम कई कार्यों में अपना सर्वश्रेष्ठ देते भी हैं। इसके पीछे पिग्मेलियन प्रभाव छिपा हुआ रहता है। दरअसल लोगों में उसी स्तर तक उठने की प्रवृत्ति होती है, की कि वे उस मूर्ति में प्राण भर दें क्योंकि उसे ऐसा प्रतीत होता है जैसे वह मूर्ति सजीव होकर उससे बातें कर रही है, मुस्करा रही है। इसलिए अब वह यह कल्पना भी नहीं कर पा रहा कि वह केवल एक मूर्ति है।

प्रेम की देवी एफ्रोडाइट ने उसके अवचेतन मन की बात सुनी और मूर्ति को सजीव कर दिया। पिग्मेलियन की कृति

जितनी दूसरे लोग उनसे अपेक्षा करते हैं। लोग प्रदर्शन भी उसी स्तर पर करते हैं, जिस स्तर पर दूसरे उनसे करने की उम्मीद करते हैं। अगर किसी व्यक्ति को यह ज्ञात हो जाता है कि उससे बेहतरीन चीजों की अपेक्षा की जा रही है तो ऐसे लोग अक्सर अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

सिपोएसिग्न प्राप्ति एक प्रतिक्रिया है

परमालयन प्रभाव एक प्रवृत्त ह, ॥२ पूरा दुनिया म फल गया ॥ परमालयन

मुझे लगने लगा था कि मेरे अंदर बहुत ऊर्जा भरी हुई है। यह अहसास मुझे 4 अगस्त से और अधिक लग रहा था जब मैंने क्वालीफाइंग में 85.65 मीटर भाला फेंका था। उसी दिन से खुद के अंदर से आवाज आ रही थी कि अब मेरी जिंदगी का बहुत बड़ा पल जल्द आने वाला है।

इस तरह पिंगमेलियन प्रभाव से नीरज चौपड़ा की जिंदगी के साथ ही संपूर्ण भारतीयों की जिंदगी में वह अनमोल पल

डेल कारनेंगी अपनी पुस्तक शहाउ टू
न फ्रैंडस एंड इनफ्लुएंस पीपल्य में
हते हैं कि शूदरों को बेहतरीन छवि
, जिसके अनुरूप वे जी सकें। ये नीरज
चोपड़ा अपने इस स्वर्ण पदक को
पैगम्बरियन प्रभाकर का चमत्कार ही
बनाने ते हैं। इस बार नीरज चोपड़ा के
पौच के साथ ही उसके इर्द गिर्द के सभी
पोगों को परा विश्वास था कि नीरज
नारातापा का जिदगा न पढ़ जानामाल परा
आया जब नीरज चोपड़ा स्वर्ण पदक प्राप्त
कर रहे थे और भारत का राष्ट्रगान
ओलंपिक में गूंज रहा था। असाधारण
अवसर सामान्य मौकों को जकड़ने पर ही
बनते हैं। पिग्मेलियन प्रभाव न केवल
सामान्य अवसरों को असाधारण बनाने में
महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि अवसरों
को पैदा करने का प्रमुख कारक बनता
है।

इसलिए आप भी अपने इर्द गिर्द हर व्यक्ति की ऊर्जा को बाहर निकालने में सकारात्मक वाक्यों का प्रयोग करें। ऐसा करने से शपिग्मेलियन प्रभाव उत्पन्न होगा। कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। जब हमारी ऊर्जा, अभ्यास को लोगों का सकारात्मक साथ मिल जाता है तो शिग्मेलियन प्रभाव उत्पन्न होता है। यही शिग्मेलियन प्रभाव कामयाबी को ऊंची उड़ान देता है।

परिसंपत्ति मुद्रीकरण के बारे में पूरा सच जानना जरूरी है

परिसंपत्ति मुद्रीकरण की घोषणा कई महीने पहले फरवरी 2021 में केंद्रीय बजट में की गई थी। उसके लिए वेबिनार और राष्ट्रीय स्तर के विचार-विमर्श के कई दौर आयोजित किए गए। पिछले सप्ताह जो घोषणा की गई वह उसकी एक रूपरेखा थी। इससे पहले सरकार ने 2016 में एक रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। हमारी सरकार दूरदर्शी एवं जन-समर्थक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है ...

हरदीप एस पुरी
जब—तक सच घर से बाहर निकलता है, तब—तक झूठ आधी दुनिया धूम लेता हैं व्हेच लोगों में चिंता और भय उत्पन्न करने के लिए किस तरह से झूठ, अर्धसत्य एवं भ्रामक सूचनाओं का इस्तेमाल किया जाता है, उसे यह प्रसिद्ध उद्धरण अक्षरशारू बयां करता है। हमारे प्रमुख विपक्षी दल अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता को बनाए रखने की अपनी हताशा में अक्सर इन गलत है। यह बड़े अफसोस की बात है कि एक विरचित सांसद और एक पूर्व केंद्रीय मंत्री को अपना राजनीतिक हित साधने के लिए ऐसा करना पड़ता है। हालांकि, इसमें वे पूरी तरह से विफल रहे हैं। मोदी सरकार ने महज एक हस्ताक्षर करके भारत की सार्वजनिक परिसंपत्तियों को शून्य या बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है, चिंदंबरम के इस दावे से यहीं प्रतीत होता है कि वह या तो यह समझ ही नहीं पाए हैं कि राष्ट्रीय सभी बहुत कुछ हासिल होगा। इसकी पूरी प्रक्रिया देश के कानून और अदालतों की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। निजी भागीदार संबंधित परिसंपत्तियों का संचालन एवं रखरखाव करेगा और पट्टे या लीज की अवधि पूरी हो जाने पर उन्हें सरकार के वापस कर देगा। पूर्व वित्त मंत्री उन अभिनव तरीकों के उपयोग के बारे में स्वयं को अनभिज्ञ दिखा रहे हैं जिनका इस्तेमाल सरकार अपनी परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण में

तौर-तरीकों का सहारा लेते रहते हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम का कहना है, शब्दां झूठ बेनकाब हो गया है अवाकई, ऐसा हो गया है। लेकिन स्वयं उनका ही झूठ बेनकाब हुआ है। यही नहीं, इससे उनकी अपनी पार्टी का यह पाखंड भी उजागर हो गया है दृ ऐसा आखिरकार कैसे हो सकता है कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो जो देश के लिए अच्छा था, वही देश के लिए एकदम से बुरा हो गया है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व में सरकार है। उनका संपूर्ण कथन पूरी तरह से दूर टार्नों और अर्मस्ता से भग्न पदा मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत आखिरकार क्या किया जाना है या वह सब कुछ समझ तो रहे हैं, लेकिन पूरी सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करना चाहते हैं। वह जानबूझकर रणनीतिक विनिवेश को परिसंपत्ति मुद्रीकरण के साथ आपस में मिलाकर भ्रमित कर रहे हैं। कटु सच्चाई यही है कि एनएमपी की कोई भी परिसंपत्ति बेची नहीं जाएगी। इन परिसंपत्तियों को उन शर्तों पर एक खुली और पारदर्शी बोली प्रक्रिया के जरिए निजी भागीदारों को पट्टे या लीज पर दिया जाएगा, जिनसे जनता के दिनों की उश्ता करने के साथ-साथ और करेगी। इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (इनविट) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) का उपयोग किया जाएगा, जो म्यूचुअल फंड की तरह विभिन्न निवेश का संयोजन (पूलिंग) करेंगे जिसे अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और रियल एस्टेट में लगाया जाएगा। इससे भारत के लोग और प्रमुख वित्तीय निवेशक हमारी राष्ट्रीय परिसंपत्तियों में निवेश कर सकेंगे कुछ इनविट और रीट पहले से ही शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने मखौल उड़ाने के अंदाज में परिसंपत्तियों के मटीकरण से वर्ष माल गान्डीजी द्वारा नियमित

1.5 लाख करोड़ रुपये को शक्तिरायाच्य कहा है उसकी बदौलत देश में नई अवसरंचना के निर्माण में नए सिरे से कहीं ज्यादा सरकारी निवेश करने का मार्ग प्रशस्त होगा। परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण का असली उद्देश्य यही है। दुर्भाग्यवश, 2जी, कोलगेट, सीडब्ल्यूजी और आदर्श जैसे घोटालों के कारण संप्रग सरकार एक अलग तरह के मुद्रीकरण पर फोकस करती रही थी। इस देश के ईमानदार करदाताओं पर और अधिक बोझ डाले बिना ही भारत की अवसरंचना को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार को वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। पिछले सात वर्षों में देश भर में बनाए गए राजमार्गों की कुल लंबाई विगत 70 वर्षों में बनाए गए राजमार्गों की समग्र लंबाई से डेढ़ गुना अधिक है। इसी तरह पिछले सात वर्षों में शहरी क्षेत्र में किया गया कुल निवेश 2004-2014 के बीच के 10 वर्षों में किए गए कुल निवेश से सात गुना अधिक है। विडंबना यह है कि श्री चिदंबरम ने इसे गलत साबित करने के क्रम में संप्रग सरकार द्वारा उठाए गए उन छोटे-छोटे प्रगतिशील कदमों को भी नकारा दिया है जो सार्वजनिक परिसंपत्ति के मुद्रीकरण के लिए उठाए गए थे। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों का निजीकरण संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ। उस दौरान श्री चिदंबरम वित्त मंत्री थे। इतना ही नहीं वह इस मामले में निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार मंत्री समूह के अध्यक्ष भी थे। श्री चिदंबरम लिखते हैं कि रेलवे एक रणनीतिक क्षेत्र है और इसे निजी भागीदारी के लिए खला नहीं होना चाहिए। जब 2008 में

प्रग सरकार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुनर्विकास के लिए रिक्वेस्ट फॉर यालिफिकेशन यानी पात्रता आवेदन प्राप्ति किया था तो उन्होंने विरोध कर्यों ही किया था? संप्रग के बाद भी कई राज्यों कांग्रेस की सरकार ने सार्वजनिक रिसंपत्ति के मुद्रीकरण के लिए नीतिगत पर्याण्य लिए हैं। फरवरी 2020 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे का द्विकरण 8,262 करोड़ रुपये में किया गया। उस दौरान श्री चिंदंबरम और उनकी टीम मुख्यमंत्री उद्घव ठाकरे को ऐसा करने की रोक सकते थे। इसके बाद पूर्व वित्त मंत्री कुछ क्षेत्रों में एकाधिकार पैदा होने की विशंका जताते हुए एक हौवा खड़ा किया गया। उन्होंने गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं के लिए अमेरिका द्वारा कुछ टेक कंपनियों पर नकेल सने, दक्षिण कारिया द्वारा चाएबोल्स यानी डे कारोबारी घरानों पर सख्ती और चीन द्वारा अपने कुछ इंटरनेट दिग्गजों के परिशोधन का हवाला दिया है। भारत में भी ऐसे स्थान हैं जो गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं से संबंधित मुद्दों को निपटाते हैं। यहां क्षेत्र विशेष के लिए नियामक हैं। यहां भारतीय प्रतिस्पर्धा व्यायोग है। उपमोक्ता न्यायालय है। ये सभी गैर सरकार से बिल्कुल स्वतंत्र संस्थान हैं। गैर इनके पास किसी भी गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथा को रोकने के लिए पर्याप्त अधिकार हैं। सरकार जार में प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और वह प्रक्रियाओं को इस रह से तैयार करेगी जिससे कि बाजार की अकतों के एकजुट होने की संभावना कम से कम रहे। ऐसे टैक जैसे कल्प क्षेत्रों में स्वाभाविक एकाधिकार है और इसलिए वहां किसी भी परिसंपत्ति का मुद्रीकरण नहीं होगा।

पूर्व वित्त मंत्री ने रोजगार जैसे मामलों में भी हौवा खड़ा किया है। निजीकरण के मामलों का वाजपेयी सरकार द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि परिचालन का प्रबंधन कहीं अधिक कुशलता से किए जाने पर वास्तव में रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं। सरकार जब प्राप्त राजस्व का नए सिरे से निवेश करेगी तो मुद्रीकरण वाली परिसंपत्तियों में नौकरियां बढ़ने के अलावा कई नए रोजगार भी सृजित होंगे। इसका एक सकारात्मक मल्टीप्लायर इफेक्ट होगा यानी प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। वित्त मंत्री रह चुके किसी व्यक्ति को इसकी सराहना करनी चाहिए। अंत में, श्री चिंदंबरम ने सरकार पर एनएमपी के बारे में गोपनीयता का आरोप लगाया है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। परिसंपत्ति मुद्रीकरण की घोषणा कई महीने पहले फरवरी 2021 में केंद्रीय बजट में की गई थी। उसके लिए वेबिनार और राष्ट्रीय स्तर के विचार-विमर्श के कई दौर आयोजित किए गए। पिछले सप्ताह जो घोषणा की गई वह उसकी एक रूपरेखा थी। इससे पहले सरकार ने 2016 में एक रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। हमारी सरकार दूरदर्शी एवं जन-समर्थक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। हम दृढ़ विश्वास के साथ काम कर रहे हैं। छल और गोपनीयता कांग्रेस शैली के दांव-पैंचर रहे हैं। यह सरकार पारदर्शिता और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करती है। लेखक केंद्रीय पटेलियम एवं प्राकृतिक गैस और आगास एवं शाही कार्य मंत्री हैं।



पीठ के निचले हिस्से में दर्द होने पर इन बातों का रखें खास ध्यान

पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना एक आम बात है, लेकिन यह दर्द काफी असहनीय होता है और इसके कारण उड़ने-बैठने में भी दिक्कत होने लगती है। यह दर्द खराब जीवनशैली, मांसपेशियों में खिचाव और कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकता है। हालांकि, अगर आप कुछ सामान्य बातों का अच्छे से ध्यान रखते हैं तो पीठ के निचले हिस्से के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं या फिर इससे बचे रह सकते हैं।

हर समय न लें

अगर कोई व्यक्ति पीठ के निचले हिस्से के दर्द से ग्रस्त होता है तो वह इस चक्कर में बिस्तर पर लेटे-लेटे ही अपना काफी समय निकाल देता है और कोई भी काम नहीं करता है। हालांकि, ऐसा करने से पॉश्चर को ठीक रखें

खड़े होते, बैठते और सोते समय शारीरिक पॉश्चर सही हो तो इससे पीठ के निचले हिस्से का दर्द दूर हो सकता है। दरअसल, गलत शारीरिक पॉश्चर से भी पीठ के निचले हिस्से का दर्द बढ़ सकता है। इसलिए हमेशा सीधे खड़े हों और किसी भी जगह पर बैठते समय अपनी पीठ को सीधा रखें। इसी के साथ एक ही पोजिशन में लंबे समय तक बैठने से भी बचें। वहीं, टेढ़ा-मेड़ा सोने की बजाय आराम मुद्रा में सोएं।

वार्मअप जरूर करें

अगर आप पीठ के निचले हिस्से में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कोई भी एक्सरसाइज करने वाले हैं तो इससे पहले वार्मअप करना न भूलें। दरअसल, अगर आप सीधा ही एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं तो पीठ के निचले हिस्से का दर्द बढ़ सकता है। इसलिए वर्कआउट सेशन की शरूआत हमेशा कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज और वार्मअप से करें। ऐसा करने से पीठ के निचले हिस्से में होने वाला दर्द जल्द दूर हो जाएगा।

सही गढ़ पर सोएं

अगर आपके बिस्तर के गहे काफी ज्यादा कठोर हैं तो इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है। इसलिए एसाही जगह पर बैठते समय अपनी पीठ को सीधा रखें। इसी के साथ एक ही पोजिशन में लंबे समय तक बैठने से भी बचें। वहीं, टेढ़ा-मेड़ा सोने की बजाय आराम मुद्रा में सोएं।

प्रतीक गांधी बहुत ही चौकस अभिनेता हैं: खुशाली कुमार

अभिनेत्री खुशाली कुमार ने अपनी अगली फिल्म डेढ़ बीघा जमीन की शूटिंग सह—अभिनेता प्रतीक गांधी के साथ ज्ञांसी में शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने हाल ही में आरा माधवन के साथ अपनी



पहली अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग पूरी की और पुलकित द्वारा निर्देशित डेढ़ बीघा जमीन के सेट पर पहुंच गई हैं।

डेढ़ बीघा जमीन उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर पर आधारित एक पारिवारिक ड्रामा है। कथानक एक आम आदमी के सम्मानजनक संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमता है कि वह क्या जीतता है।

खुशाली ने प्रतीक के साथ अपनी भूमिका की तैयारी के अपने अनुभव को साझा किया, जिन्होंने अपनी फिल्म स्कैम 1992 के लिए आलोचनात्मक प्रशंसा प्राप्त की।

उन्होंने बताया, एक अभिनेता के रूप में प्रतीक बहुत चौकस हैं। उनके साथ तैयारी करना फिर से मजेदार और रचनात्मक रूप से संतोषजनक था। हम एक-दूसरे के तरीके को समझते थे और मुझे लगता है कि यह कोमिस्ट्री के ऑफ-स्क्रीन होने पर सबसे अच्छा काम करता है, वयंकि यह सिनेमा पर उसी तरह अच्छा दिखता है। मैं प्रतीक से भी उतना ही सीखने की उम्मीद करती हूं। टी-सीरीज और कर्मा मीडिया और एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म डेढ़ बीघा जमीन का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, शैलेश आर. सिंह और हंसल मेहता ने किया है।

फिल्म की सामग्री के बारे में बात करते हुए, खुशाली ने कहा, फिल्म एक दिल की कहानी है। मैं कहानी कहने के एक अनदेखे और गैर-सर्वोत्कृष्ट पक्की खोज करने के लिए भाव्यशाली हूं जो सामग्री—उन्मुख और सामाजिक रूप से प्रासंगिक है।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक स्यूजिक वीडियो में नूँ इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई स्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया।

फिल्म की सामग्री के बारे में बात करते हुए, खुशाली ने कहा, फिल्म एक दिल की कहानी है। मैं कहानी कहने के एक अनदेखे और गैर-सर्वोत्कृष्ट पक्की खोज करने के लिए भाव्यशाली हूं जो सामग्री—उन्मुख और सामाजिक रूप से प्रासंगिक है।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक स्यूजिक वीडियो में नूँ इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई स्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक स्यूजिक वीडियो में नूँ इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई स्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक स्यूजिक वीडियो में नूँ इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई स्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक स्यूजिक वीडियो में नूँ इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई स्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक स्यूजिक वीडियो में नूँ इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई स्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया।

विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक में ऋतिक रोशन के भाई की भूमिका निभाएंगे रोहित सराफ



ऋतिक रोशन इस साल कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं। हाल में वह फिल्म विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक को लेकर सुर्खियों में छाए हुए थे। फिल्म में उनके साथ अभिनेता सैफ अली खान भी दिखेंगे। हाल में फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल 30 सितंबर को रिलीज होने वाली है। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म में रोहित सराफ ऋतिक के भाई की भूमिका निभाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक में अभिनेता रोहित ऋतिक के भाई की भूमिका में नजर आने वाले हैं। एक सूत्र ने कहा, रोहित फिल्म में ऋतिक के भाई का किरदार निभाएंगे। इस संबंध में कामाजी कार्रवाई हो चुकी है और अभिनेता ने फिल्म में अपने हिस्से के लिए तैयारी शुरू कर दी है। सूत्र ने आगे बताया कि इस फिल्म की शूटिंग सितंबर के अंत में शुरू हो सकती है।

रोहित ने पिछले साल नेटपिलक्स की फिल्म लूडो में अपने अभिनय का जलवा दिखाया था। इसके अलावा उन्होंने सीरीज मिसमैच में भी काम किया है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की फिल्म दस्तक इंडिया में भी अभिनय किया है।

इस समय फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम जोर-शोर से चल रहा है। बताया जा रहा है कि सभी इनडोर और आउटडोर शूटिंग स्पॉट को फाइनल कर दिया गया है। ऋतिक के भाई के किरदार निभाएंगे। इस संबंध में कामाजी कार्रवाई हो चुकी है और अभिनेता ने फिल्म के किरदार में खुद कर दिया है। उन्होंने एक बार अपने हिस्से के लिए लुक टेस्ट हो चुका है। ऋतिक के भाई की भूमिका निभाने के लिए फिल्म द्रेसिंग ले रहे हैं।

इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर, 2021 तक पूरी होने की उम्मीद है। मैकर्स फिल्म को गांधी जयंती के अवसर पर 2022 में रिलीज करने का मान बना रहे हैं। फिल्म को नीरज पांडे ने रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। हाल में खबर सामने आई ही कि इस फिल्म में राधिका आटे फीमेल लीड किरदार निभाएंगी। पुष्कर और गायत्री की जोड़ी इस फिल्म का निर्देशन करेगी, जिन्होंने ऑरिजिनल फिल्म का निर्देशन किया था।

विक्रम वेधा में आरा माधवन और विजय सेतुपति को लीड रोल में देखा गया था। इसके साथ मुद्रण करने के लिए ड्रेसिंग ले रहे हैं।

कोरोना महामारी के कारण कई बड़ी फिल्मों में सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही हैं। ओटीटी पर फिल्मों रिलीज करने का ट्रैड सा चल पड़ा है। बॉलीवुड के कई बड़े कलाकार डिजिटल जगत में कदम रख चुके हैं। अब इस कड़ी में रितेश देशमुख का नाम भी सामिल होने वाला है। वह जल्द ही एक फिल्म में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ इश्क फरमाते दिखेंगे।

रितेश ने टिवटर पर फिल्म की कुछ तस्वीरें शेयर कर बताया कि वह नेटपिलक्स के साथ अपने